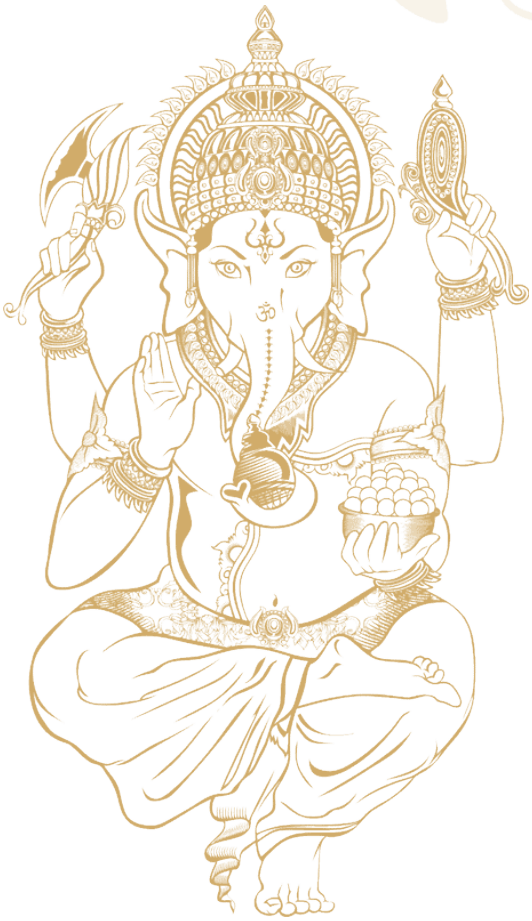

Mr.sajal ag

ms.gauri

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120686001

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120686001 Date: 24/12/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
01/10/2000	जन्म तिथि	19/05/2003
रविवार	दिन	सोमवार
घंटे 20:25:00	जन्म समय	10:56:00 घंटे
घटी 35:32:23	जन्म समय(घटी)	13:37:35 घटी
India	देश	India
Mathura	स्थान	Vrindavan
27:30:00 उत्तर	अक्षांश	27:35:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	77:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:12:02	सूर्योदय	05:28:48
18:05:11	सूर्यास्त	19:02:50
23:51:46	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:00
वृष	लग्न	कर्क
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
वृश्चिक	राशि	धनु
मंगल	राशि-स्वामी	गुरु
विशाखा	नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा
गुरु	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
4	चरण	1
प्रीति	योग	साध्य
विष्टि	करण	बालव
तो-तोरल	जन्म नामाक्षर	भू-भूमिका
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष
विप्र	वर्ण	क्षत्रिय
कीटक	वश्य	मानव
व्याघ्र	योनि	वानर
राक्षस	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
सर्प	वर्ग	मूषक

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 1वर्ष 7मा 20दि		00:53:12	वृष	लग्न	कर्क	18:32:36	शुक्र 15वर्ष 2मा 3दि	
बुध		14:51:58	कन्या	सूर्य	वृष	03:56:38	चन्द्र	
22/05/2021		01:58:05	वृश्चि	चंद्र	धनु	16:33:00	21/07/2024	
23/05/2038		15:19:37	सिंह	मंगल	मक	21:50:41	22/07/2034	
बुध	19/10/2023	09:48:38	तुला	बुध व	मेष	17:16:06	चन्द्र	22/05/2025
केतु	15/10/2024	17:21:52	वृष व	गुरु	कर्क	17:07:56	मंगल	21/12/2025
शुक्र	16/08/2027	14:39:40	तुला	शुक्र	मेष	09:27:34	राहु	21/06/2027
सूर्य	22/06/2028	06:47:20	वृष व	शनि	मिथु	04:09:15	गुरु	20/10/2028
चन्द्र	21/11/2029	27:13:05	मिथु व	राहु	वृष	05:33:54	शनि	22/05/2030
मंगल	18/11/2030	27:13:05	धनु व	केतु	वृश्चि	05:33:54	बुध	21/10/2031
राहु	07/06/2033	23:17:14	मक व	हर्ष	कुंभ	08:46:20	केतु	21/05/2032
गुरु	13/09/2035	09:58:51	मक व	नेप व	मक	19:17:01	शुक्र	20/01/2034
शनि	23/05/2038	16:45:44	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	25:15:50	सूर्य	22/07/2034

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:51:46 चित्रपक्षीय अयनांश 23:54:00

लग्न-चलित

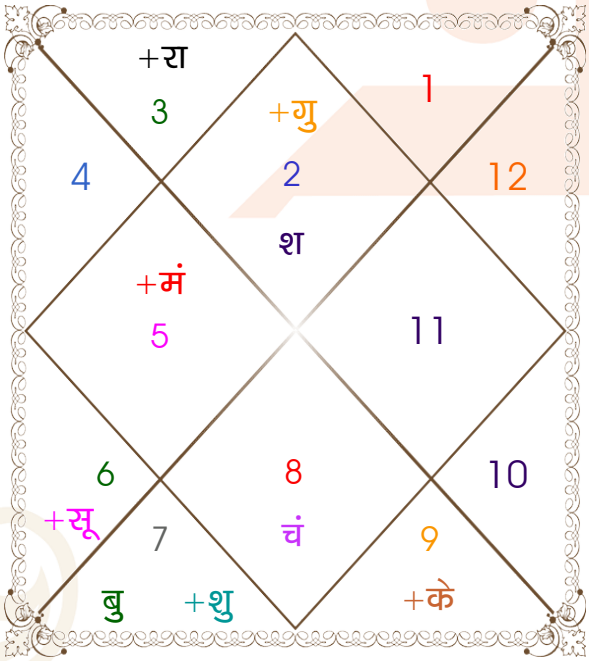

लग्न-चलित

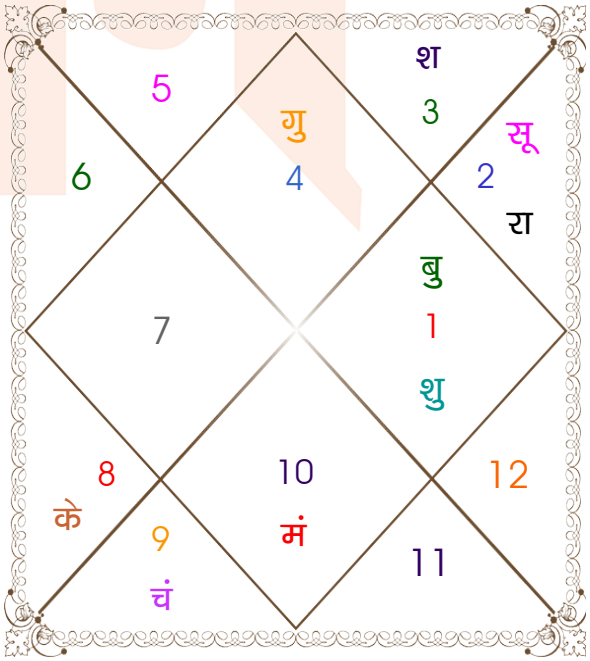

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	वानर	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.50		

कुल : **17.5 / 36**

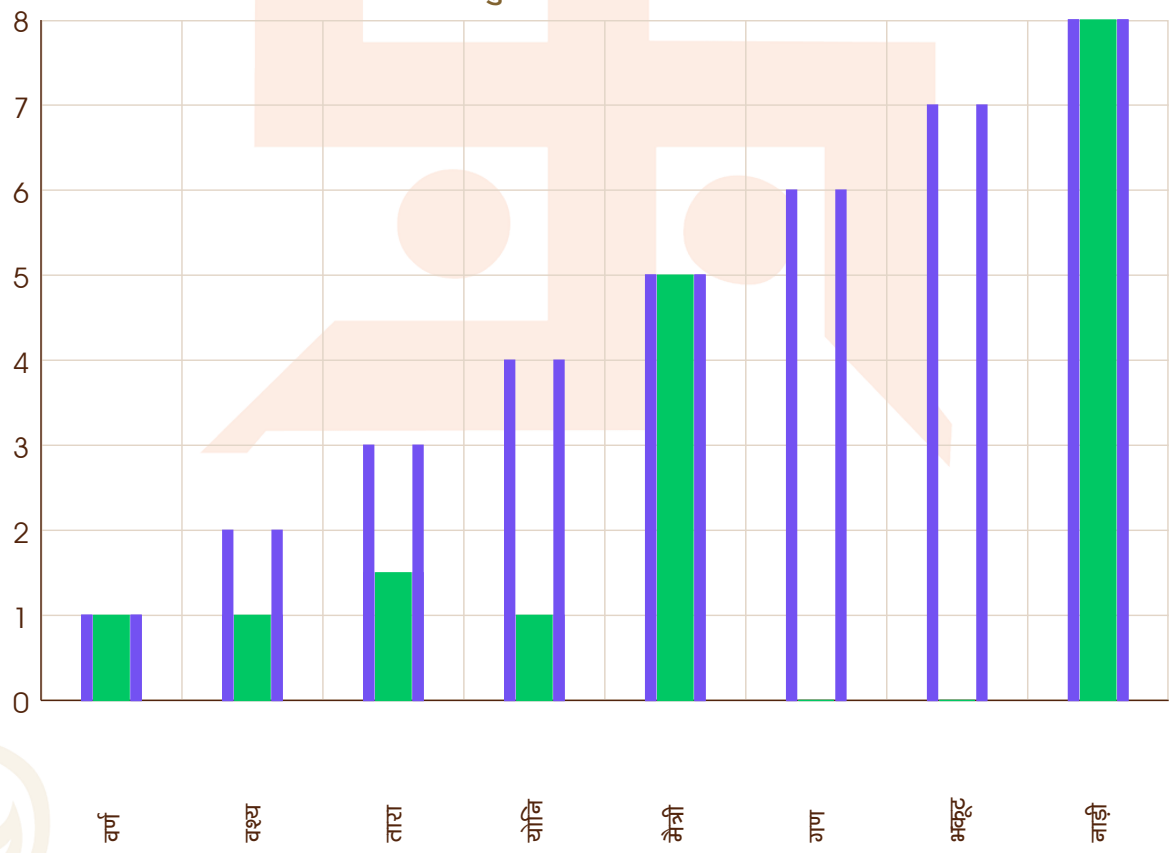

अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr.sajal ag का वर्ग सर्प है तथा उेण्हंनतप का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.sajal ag और उेण्हंनतप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.sajal ag मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

उेण्हंनतप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल उेण्हंनतप कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल उेण्हंनतप कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि उेण्हंनतप कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु उेण्हंनतप कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.sajal ag तथा उेण्हंनतप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.sajal ag का वर्ण ब्राह्मण तथा उेण्हंनतप का वर्ण क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके प्रभाव से उेण्हंनतप में अपने पति के प्रति अगाध प्रेम, श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी। कभी-कभी क्षत्रिय खून की गर्मी भी समय-समय पर उबाल मारने के कारण समय-समय पर उेण्हंनतप आक्रामक व्यवहार कर सकती हैं हालांकि उनका व्यवहार कभी भी अनियंत्रित नहीं होगा। उेण्हंनतप सदैव अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन भली-भांति करती रहेंगी तथा वे सदैव प्रशंसा की पात्र रहेंगी।

वश्य

Mr.sajal ag का वश्य कीट है एवं उेण्हंनतप का वश्य चतुष्पद है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। चतुष्पद एवं कीट दो भिन्न प्राणी हैं। किंतु दोनों का प्रकृति में सह-अस्तित्व है। दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग होते हुए भी दोनों एक-दूसरे के लिए घातक नहीं होंगे। इसी प्रकार, Mr.sajal ag चतुष्पद अर्थात् पशु एवं उेण्हंनतप कीट वश्य की होने के कारण दोनों के स्वभाव, व्यवहार, गुण, पसंद/नापसंद में अंतर होते हुए भी दोनों के बीच वैवाहिक संबंध सामान्य ही रहने की प्रबल संभावना है। दोनों का स्वभाव गंभीर एवं संकोची रहेगा तथा दोनों सौहार्दता एवं प्रेम से अपना जीवन यापन करते रहेंगे।साथ ही अपने-अपने कर्त्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

Mr.sajal ag की तारा साधक तथा उेण्हंनतप की तारा प्रत्यरि है। उेण्हंनतप की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह Mr.sajal ag एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। उेण्हंनतप का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य मे अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही उेण्हंनतप के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। Mr.sajal ag अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

Mr.sajal ag की योनि व्याघ्र है तथा उेण्हंनतप की योनि वानर है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक

आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.sajal ag एवं उेण्हंनतप दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Mr.sajal ag एवं उेण्हंनतप के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Mr.sajal ag एवं उेण्हंनतप जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Mr.sajal ag का गण राक्षस है तथा उेण्हंनतप का गण मनुष्य है। अर्थात उेण्हंनतप का गण Mr.sajal ag के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान रहेगा। ज्योतिषीय दृष्टि से यह संबंध अधिक दिनों तक नहीं रहने वाला होगा। दोनों के वैचारिक मतभेद परिवार के सदस्यों के जीवन को अशांत बना सकते हैं। ऐसा विवाह त्याज्य है।

भकूट

Mr.sajal ag से उेण्हंनतप की राशि द्वितीय भाव में स्थित है तथा उेण्हंनतप से Mr.sajal ag की राशि द्वादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके कारण Mr.sajal ag गुस्सैल एवं लड़ाकू स्वभाव के हो सकते हैं। साथ ही शारीरिक रूप से कमजोर तथा अपव्ययी होंगे। उेण्हंनतप समझौतावादी, सौम्य एवं दयालु प्रवृत्ति की होंगी तथा अपने कर्त्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को आसानी से बखूबी निभाती रहेंगी तथा बचत भी करती रहेगी। दूसरी ओर Mr.sajal ag शाहखर्च, लापरवाह एवं अय्याशी में पैसे बर्बाद करने वाले हो सकते हैं।

नाड़ी

Mr.sajal ag की नाड़ी अन्त्य है तथा उेण्हंनतप की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पत्ति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.sajal ag की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक तथा उेण्हंनतप की अग्नितत्व युक्त धनु राशि है। जल एवं वायु की परस्पर नैसर्गिक विषमता के कारण Mr.sajal ag और उेण्हंनतप की परस्पर स्वभावगत असमानताएं रहेंगी। इसके प्रभाव से आपसी संबधों में मधुरता नहीं होगी जिससे वैवाहिक जीवन अच्छा नहीं रहेगा।

Mr.sajal ag की राशि का स्वामी मंगल तथा उेण्हंनतप की राशि का स्वामी बृहस्पति परस्पर मित्र राशियों में स्थित है। अतः इसके शुभ प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता होगी तथा Mr.sajal ag और उेण्हंनतप के मध्य मित्रता पूर्ण संबंध स्थापित होंगे फलतः एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। साथ ही प्रेम सहानुभूति एवं सहयोग का भाव भी रहेगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर होंगे। अतः दाम्पत्य संबंधों में प्रगाढ़ता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन में भी सुख शांति तथा समृद्धि बनी रहेगी।

Mr.sajal ag एवं उेण्हंनतप की जन्म राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके भाव से परस्पर संबंधों में विरोध तथा वैमनस्य का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देकर आलोचनात्मक दृष्टि कोण अपनाएंगे। इससे Mr.sajal ag और उेण्हंनतप के वैवाहिक जीवन में अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। अतः यदि Mr.sajal ag और उेण्हंनतप बुद्धिमता तथा सामंजस्य की प्रवृति से कार्य लें तो किंचित अशुभता में कमी आ सकती है।

Mr.sajal ag का वश्य कीट एवं उेण्हंनतप का वश्य चतुष्पद है। कीट एवं वश्य में समानता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान होंगी। अतः दाम्पत्य संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे।

Mr.sajal ag का वर्ण ब्राह्मण तथा उेण्हंनतप का वर्ण क्षत्रिय है। अतः Mr.sajal ag की प्रवृति शैक्षणिक एवं धार्मिक कार्य कलापों में रहेगी तथा उेण्हंनतप पराक्रमी तथा साहसी कार्यो को सम्पन्न करेंगी फलतः कार्य क्षेत्र की सुदृढ़ता बनी रहेगी।

धन

Mr.sajal ag और उेण्हंनतप की तारा परस्पर सम है। अतः इनकी आर्थिक स्थिति पर तारा का प्रभाव विशेष शुभ या अशुभ नहीं रहेगा। लेकिन इनकी राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती हैं जो एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है तथा आर्थिक स्थिति पर इसका विशेष दुष्प्रभाव पड़ता है। परन्तु मंगल का आर्थिक क्षेत्र पर प्रभाव सम रहेगा। अतः सामान्यतया Mr.sajal ag और उेण्हंनतप समृद्ध एवं सुख संसाधनों से युक्त रहेंगे।

भकूट दोष के प्रभाव से उेण्हंनतप की प्रवृति अधिक एवं अनावश्यक व्ययशील रहेगी तथा भौतिक साधनों पर अनावश्यक व्यय करेंगी। साथ ही Mr.sajal ag भी जुए या अन्य व्यसनों से अधिक हानि प्राप्त कर सकते है। अतः आर्थिक स्थिति की सुदृढ़ता के लिए Mr.sajal ag और उेण्हंनतप को अपनी ऐसी प्रवृतियों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

Mr.sajal ag अन्त्य तथा उेण्हंनतप का जन्म मध्य नाड़ी में हुआ है। अतः नाड़ी दोष का इन पर कोई प्रभाव नहीं रहेगा तथा जीवन में गभीर खतरों से ये सुरक्षित रहेंगे। लेकिन मंगल का Mr.sajal ag और उेण्हंनतप दोनों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव रहेगा जिससे दोनों धातु या गुप्त संबधी रोगों से परेशानी की अनुभूति कर सकते है। साथ ही Mr.sajal ag की संभोग शक्ति में शिथिलता एवं हृदय संबंधी रोग भी उत्पन्न हो सकता है। उन्हें मूत्र संबंधी कष्ट की भी उन्हें प्राप्ति होगी जिससे दाम्पत्य जीवन में अनावश्यक कलह तथा अशांति होगी। अतः इसके प्रभाव को कम करने के लिए Mr.sajal ag और उेण्हंनतप को हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी रखने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से Mr.sajal ag और उेण्हंनतप का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति उेण्हंनतप के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्य मान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः उेण्हंनतप को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

Mr.sajal ag और उेण्हंनतप बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः Mr.sajal ag और उेण्हंनतप का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

उेण्हंनतप के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी

परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि उेण्हंनतप धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से उेण्हंनतप के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी उेण्हंनतप का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी उेण्हंनतप से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

Mr.sajal ag तथा सास के संबधों में विशेष मधुरता का भाव नहीं रहेगा तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण दोनों के मध्य वैचारिक मतभेद रहेंगे लेकिन इनमें अधिक गंभीरता नहीं रहेगी। यदि Mr.sajal ag तथा इनकी सास आपसी सामंजस्य तथा बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों की मधुरता में वृद्धि हो सकती है।

लेकिन ससुर के साथ में Mr.sajal ag के संबध मधुर रहेंगे तथा उनके प्रति मान सम्मान तथा श्रद्धा का भाव रहेगा। साथ ही उनसे पिता के समान ही व्यवहार करेंगे। साथ ही वे भी Mr.sajal ag को पुत्रवत स्नेह तथा वात्सल्य प्रदान करेंगे। Mr.sajal ag समय समय पर अपने ससुर से आवश्यक तथा बहुमूल्य सलाह तथा निर्देश भी प्राप्त करते रहेंगे परन्तु साले तथा सालियों के साथ में संबधों में तनाव तथा मतभेद रहेंगे तथा एक दूसरे के प्रति आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा जिससे आपस में स्नेह सहयोग तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से ससुरालवालों का दृष्टिकोण Mr.sajal ag के प्रति अनुकूल ही रहेगा।